- 20th Year
- Issue: 07
- 25.04.2026 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

राघव चड्ढा समेत आप के तीन राज्यसभा सांसद हुए भाजपा में शामिल, नितिन नवीन ने दिलाई सदस्यता

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मिज़ल ने भाजपा मुज़्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो तिहाई सांसदों ने भाजपा में विलय की घोषणा की है। राघव चड्ढा ने एज़्स पर लिखा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के माननीय अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज़ सौंपे।इससे पहले संदीप पाठक और अशोक मिज़ल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में क्क के दो-तिहाई सदस्य होने के नाते हम भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। राघव चड्ढा, अशोक कुमार मिज़ल और संदीप पाठक 2022 से आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से पूरी तरह भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगया कि पार्टी अब देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है, बल्कि निजी लाभ के लिए काम कर रही है। आपमें से कई लोग पिछले कुछ वर्षों से मुझसे यही कहते आ रहे हैं, और मैंने भी व्यक्तिगत रूप से महसूस किया है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। मैं दोहराता हूं, मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। इसलिए, आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं और जनता के पास जा रहा हूं। राघव चड्ढा ने आगे कहा कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सांसद, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से दो तिहाई से अधिक इस मामले में हमारे साथ हैं। उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं और आज सुबह हमने हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा अध्यक्ष को सौंप दिए हैं... उनमें से तीन आपके सामने उपस्थित हैं। हमारे अलावा, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी उपस्थित हैं।

पहले बंगाल, फिर दिल्ली से भाजपा को उखाड़ फेकेंगे-ममता

कोलकाता २४/०४ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के बाद वह दिल्ली को भी जीत लेंगी। गुरुवार को चौरंगी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह सभी विपक्षी दलों को एकजुट करके केंद्र में बीजेपी को खत्म कर देंगी। उन्होंने कहा कि मैंने उन सभी लोगों के नाम लिख लिए हैं जो क्क्क्क के लिए दलाल का काम कर रहे हैं—ए से लेकर जेड तक, और उनके घरों की जगह भी। तो, आपको लगता है कि आप हम पर नज़र रख सकते हैं? आपने जिस भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया है, उसे बीजेपी में लाने से पहले उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जाँच-पड़ताल की है, और अधिकारियों की नियुक्ति भी आपने उसी आधार पर की है। मुज़्यमंत्री ने कहा कि यह याद रखना, तुममें हमें हराने की काबिलियत नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं; हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं।

आप छोड़ने वाले सांसद गद्दार, भगवंत मान का भाजपा पर हमला, बोले-पंजाब को धोखा दिया

चंडीगढ २४/०४ (संवाददाता): पंजाब के मुज़्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आप के उन राज्यसभा सदस्यों को गद्दार कहा, जिन्होंने पार्टी छोड़ दी और बीजेपी में शामिल होने की घोषणा की। यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मान ने आरोप लगाया कि क्क्क्क क्क को तोड़ने की कोशिश कर रही है और उसने पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

मान ने कहा कि जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उन्होंने आप को तोड़ने की कोशिश की। मान शुक्रवार को ही नीदरलैंड और फिनलैंड की लगभग एक हज़्ते लंबी यात्रा से लौटे थे, जिसका मकसद अपने राज्य के लिए निवेश आकर्षित करना था। बीजेपी पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि वे इस बात से परेशान हैं कि मान लोगों का नेता ज्यों बन रहा है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग आप के साथ हैं; वे पूरी मज़बूती से पार्टी के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी किसी एक व्यक्ति से बड़ी होती है, और जो 6-7 लोग पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पूरे पंजाब को नहीं दर्शाते। चड्ढा और पाठक ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे पार्टी के पाँच अन्य सांसदों के साथ बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले, दिल्ली में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने कहा कि वे बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। चड्ढा ने दावा किया कि आप के लगभग दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक अलग गुट के तौर पर क्क्क्क में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों में स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी शामिल थे।

मीडिया को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि मैं पहले भी यह कहता रहा हूँ कि बीजेपी का पंजाब और पंजाबियों से कोई मेल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस भी चीज़ से पंजाब के लोग खुश होते हैं, बीजेपी उसे बिगाड़ने की कोशिश करती है। उन्होंने आरोप लगाया, जब पंजाब में आप की सरकार बनी, तो उसने राज्य के ग्रामीण विकास फंड को रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को (अब रद्द किए जा चुके तीन) कृषि कानूनों पर यू-टर्न लेना पड़ा, जिसके बाद बीजेपी ने पंजाब के प्रति मन में द्वेष रखना शुरू कर दिया।

बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है टीएमसी का दीया, दमदम में दिखा पीएम मोदी का दमखम

कोलकाता २४/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महा जंगल राज के अंत की शुरुआत बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 4 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार बनेगी। उन्होंने महिला मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया और टीएमसी को महिला-विरोधी पार्टी बताया। दम दम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी के गुंडों का हौसला पस्त हो गया है, ज़्योंकि वे जानते हैं कि उनकी पार्टी चुनाव हारने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं आगे बढ़ें, और साथ ही कहा कि महिलाओं की सुरक्षा बीजेपी की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भगवा पार्टी ने रत्ना देबनाथ को टिकट दिया है, जो आरजी कर रेप-मर्डर केस की पीड़िता की माँ हैं। कल बीजेपी के पक्ष में जो समर्थन देखने को मिला, उसने उसकी जीत का बिगुल बजा दिया है। पश्चिम बंगाल में, जहाँ टीएमसी ने अपने तानाशाही रवैये से लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था और उसे कमज़ोर कर दिया था, वहाँ की जनता ने पहले ही चरण में उस लोकतंत्र के मंदिर को फिर से बनाना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा बंगाल की हर बहन-बेटी के सपनों को पूरा करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बंगाल की बहनों से भाजपा का सीधा वादा है कि भाजपा आपको सुरक्षा देगी, भाजपा आपको सज़्मान देगी और भाजपा से ही आपको समृद्धि मिलने वाली है। भाजपा सरकार में यहां की हर महिला के जीवन में खुशहाली आएगी, गरीब बहनों को मुज़्त राशन मिलेगा। कोई सिंडिकेट आपका हक नहीं छीन पाएगा। आपका घर का सपना भी पूरा होगा। पीएम आवास योजना के तहत 1.5 लाख रुपये तक की मदद मिलेगी और जो घर बनेगा वो महिलाओं के नाम पर ही होगा। मैं आज बंगाल की हर बेटी को ये भरोसा दिलाने आया हूं कि भाजपा, बेटियों के सपने नहीं कुचलने देगी। 4 मई को भाजपा सरकार बनने के बाद हर अन्याय, हर अत्याचार की फाइल खुलेगी। ये मोदी की गारंटी है।

७३ सांसदों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए रास में दिया नोटिस

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): विपक्षी दलों के गठबंधन ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक नया प्रस्ताव पेश किया, जिसमें प्रक्रियात्मक पक्षपात के आरोपों के मद्देनजर मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई है। मुज़्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ औपचारिक आरोपों में आचार संहिता के प्रवर्तन में निरंतर पक्षपातपूर्ण असमानता शामिल है। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से पहले 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ शिकायतों पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है। विभिन्न दलों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित करते हुए, नोटिस में कहा गया है कि इस नोटिस की तारीख तक, ज्ञानेश कुमार ने उक्त शिकायतों में से किसी पर भी कोई कारण बताओ नोटिस, कोई सलाह या कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

फ्लोर टेस्ट में सम्राट चौधरी की बड़ी जीत, तेजस्वी को दिया करारा जवाब

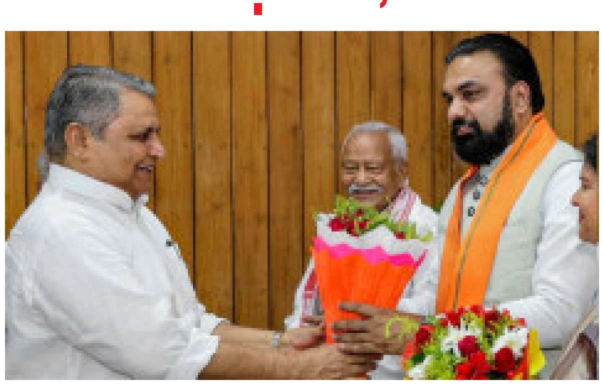

पटना २४/०४ (संवाददाता):बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया। चौधरी ने एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान यह प्रस्ताव पेश किया कि सदन राज्य की वर्तमान मंत्रिपरिषद पर अपना विश्वास बनाए रखे। 243 सदस्यीय सदन में यह प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित हो गया, जहां भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए के पास 202 सीटों के साथ भारी बहुमत है। सज़ाधारी दल को जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा सहित एनडीए के सहयोगियों का समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे विधानसभा में गठबंधन की संज़्यात्मक शक्ति स्पष्ट हुई। सदन को संबोधित करते हुए मुज़्यमंत्री चौधरी ने तेजस्वी यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला और इस धारणा को खारिज कर दिया कि लोकतंत्र में नेतृत्व वंश या किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा से प्राप्त होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीतिक सज़ा जनता के जनादेश और निरंतर संघर्ष से मिलती है, न कि विरासत या व्यक्तिगत विशेषाधिकार से। अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा कि वे जनसमर्थन और दृढ़ता के बल पर शीर्ष पद तक पहुंचे। पूर्व मुज़्यमंत्री लालू प्रसाद का विशेष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर की कठिनाइयों और कथित उत्पीड़न ने उनके राजनीतिक मार्ग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पदोन्नति सामूहिक राजनीतिक सहमति और पार्टी की एकता को दर्शाती है, और विशेष रूप से भाजपा की भूमिका को उजागर किया, जिसने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष, उपमुज़्यमंत्री और अब मुज़्यमंत्री के रूप में अवसर प्रदान किए।

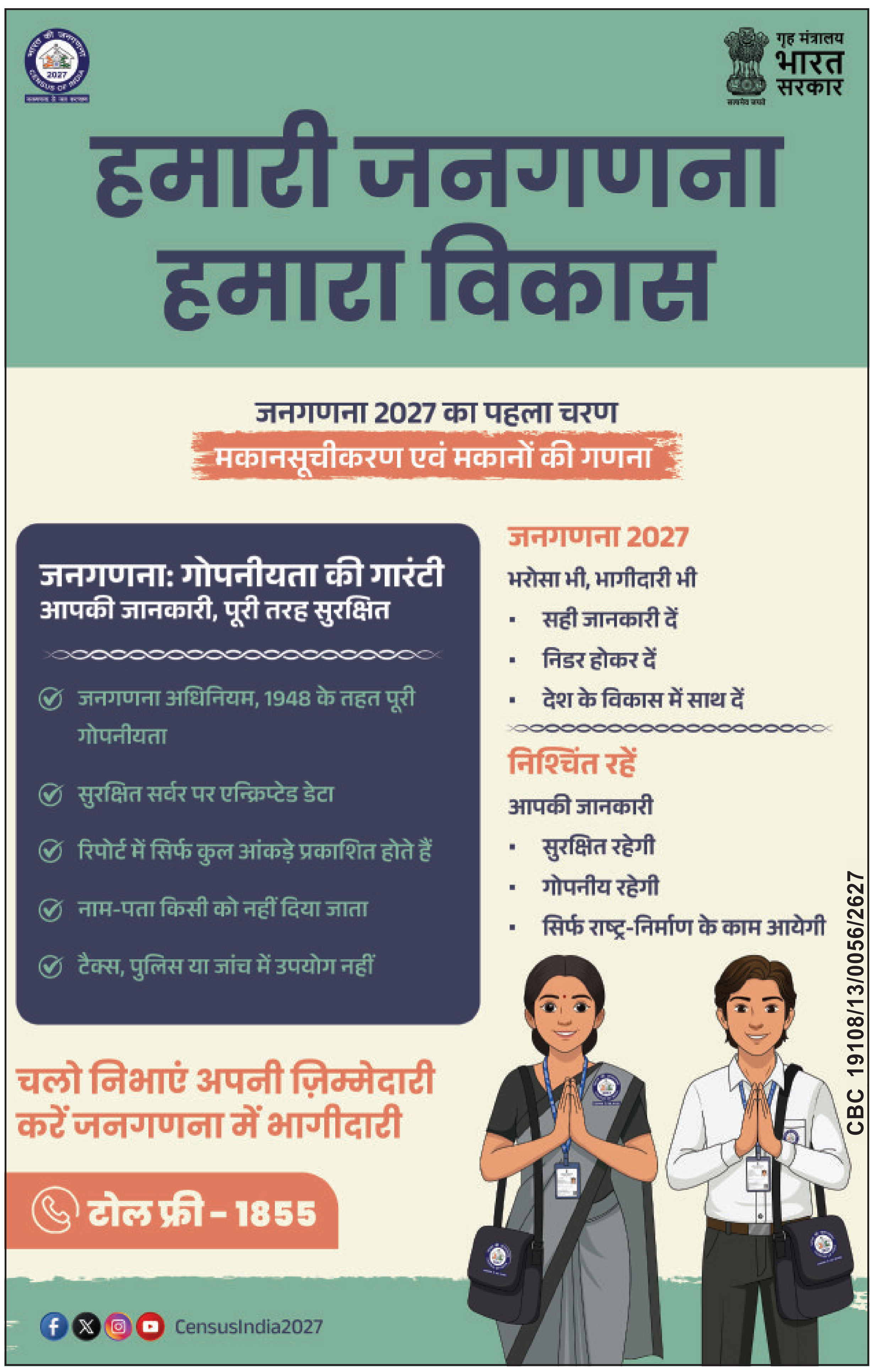

विविध समाचार

भाजपा ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धोखा, सात सांसदों के बगावत पर बोले अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को बड़ा झटका देते हुए राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित उसके राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लगभग दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे। इसको लेकर अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया आई है। केजरीवाल ने एज़्स पर लिखा कि बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का। साफ ही भाषा में इस समझने की कोशिश करे तो केजरीवाल भाजपा पर पंजाब के लोगों को धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के मुज़्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है...शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस की पार्टियों में एक ही वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया था...भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है।

आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि देश ने इन नेताओं का चरित्र देख लिया है। वे जानते हैं कि पंजाब के मुज़्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आप फिर से सज़ा में आएंगी। पंजाब की जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि पंजाब की जनता इन सातों बागी सांसदों को माफ नहीं करेगी। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने पंजाब के मुज़्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों में बाधा डालने का काम किया है। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं, पंजाब की जनता को इन 7 नामों को याद रखना चाहिए। पंजाब की जनता इन्हें कभी नहीं भूलेगी।

संजय सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार के खिलाफ ऑपरेशन लोटस चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन लोटस को अंजाम देने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब की जनता इन %गद्दारों% को कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में भगवंत मान सरकार 300 यूनिट मुज़्त बिजली मुहैया कराती है, बच्चों की अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम करती है और 30 वर्षों से सूखे पड़े नहरों में पानी भर चुकी है। यह दलित और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को 1,500 रुपये और माताओं और बहनों को प्रति माह 1,000 रुपये सीधे उनके खातों में देती है। सिंह ने कहा कि इतना ही नहीं, यह पंजाब में किसी भी व्यक्ति की गंभीर बीमारी के लिए 10 लाख रुपये तक का मुज़्त चिकित्सा उपचार भी प्रदान करती है। इन सब कार्यों के बावजूद, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने भगवंत मान सरकार के कामकाज को रोकने, तोड़ने और बाधित करने की कोशिश की है और पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि मैं मोदी जी और अमित शाह से कहना चाहता हूँ कि आम आदमी पार्टी और पंजाब की जनता के साथ आपने जो गंदा खेल खेला है, और भगवंत मान सरकार को रोकने और उसके काम में बाधा डालने के जो प्रयास किए हैं, इस विश्वासघात और धोखे के लिए पंजाब की जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी। हर कोई देख रहा है कि ज़्या हो रहा है और कैसे किया जा रहा है। आज मेरा दिल बहुत दुखी और आहत है ज़्योंकि पंजाब में एक अच्छी सरकार चल रही है। भगवंत मान वहाँ की जनता के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे क्षेत्रों में और सरकारी नौकरियां उपलज़्ध कराने में अच्छा काम कर रहे हैं, और फिर भी इस सरकार के खिलाफ यह %ऑपरेशन लोटस% खेला जा रहा है।

बंगाल में रिकार्ड मतदान पर अमित शाह बोले-ये सुशासन के नए युग की शुरुआत है

कोलकाता २४/०४ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में रिकॉर्ड-तोड़ मतदान के लिए मतदाताओं को बधाई दी, और शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग (श्चष्टद्ध) तथा सुरक्षा बलों की सराहना की। एज़्स पर एक पोस्ट में, केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान प्रक्रिया के लिए ईसीआई और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (ष्टक्कस्नह्य) के कर्मियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। भाजपा की जीत की ओर इशारा करते हुए अमित शाह ने कहा कि मतदाताओं की भारी भागीदारी और शांतिपूर्ण मतदान, पश्चिम बंगाल में सुशासन के एक नए युग की शुरुआत का संकेत है।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शाह ने लिखा कि मैं पश्चिम बंगाल के सज़्मानित मतदाताओं को लोकतंत्र के इस भव्य उत्सव में, मतदान के पहले चरण में ऐतिहासिक भागीदारी के माध्यम से सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ। पोस्ट में आगे कहा गया कि मैं माननीय चुनाव आयोग, सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (ष्टक्कस्नह्य) के बहादुर जवानों और हमारी पश्चिम बंगाल पुलिस का बंगाल के इतिहास में सबसे शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान प्रक्रियाओं में से एक को सुनिश्चित करने के लिए गहरा आभार और बधाई व्यक्त करता हूँ। यह बंगाल में सुशासन के एक नए युग की शुरुआत का स्पष्ट संकेत है। इस बीच, विधानसभा चुनावों के पहले चरण के लिए मतदान गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया, जिसमें भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 91.83 प्रतिशत की काफी अधिक मतदाता भागीदारी दर्ज की गई।

मतदाताओं की भागीदारी के ये ऊँचे आँकड़े एक सक्रिय चुनावी प्रक्रिया को दर्शाते हैं, ज़्योंकि 152 निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान समाप्त हुआ। एक मुज़्य बात महिला मतदाताओं का नेतृत्व था, जिन्होंने पुरुषों को भी पीछे छोड़ दिया। पश्चिम बंगाल में, पुरुषों के 90.92 प्रतिशत के मुकाबले महिलाओं की मतदान भागीदारी 92.69 प्रतिशत के अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच गई। आयोग ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज की, जिनकी मतदान दर 56.79 प्रतिशत रही।

स्वाति मालीवाल का आप पर सबसे बड़ा हमला, बोलीं- केजरीवाल ने गुंडे को बचाया, मुझे बर्बाद करने की धमकियां दी

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): स्वाति मालीवाल ने पार्टी नेतृत्व और उसके कामकाज के खिलाफ गंभीर आरोपों की एक श्रृंखला का हवाला देते हुए आम आदमी पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की है। एक बयान में, मालीवाल ने अपनी राजनीतिक यात्रा पर विचार करते हुए कहा कि 2006 में, मैंने राष्ट्रीय सेवा का मार्ग चुनने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। आरटीआई आंदोलन, अन्ना आंदोलन, आम आदमी पार्टी के गठन और दिल्ली महिला आयोग में 8 वर्षों के समर्पित कार्य के माध्यम से, मैंने हर स्तर पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ योगदान दिया।मालीवाल ने आगे लिखा कि जिन सिद्धांतों, मूल्यों और ईमानदार राजनीति के संकल्प के साथ हमने यह सफर शुरू किया था, आज बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि अरविंद केजरीवाल जी और उनके इशारे पर पूरी आम आदमी पार्टी उन आदर्शों से भटक चुकी है। उन्होने कहा कि मेरे साथ उनके आवास पर उनके इशारे पर बुरी तरह

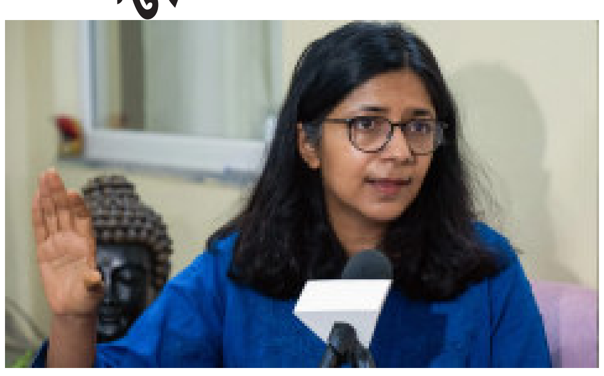

मारपीट और अभद्रता की गई। उन्होंने अपने गुंडे को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया और उसे बड़े-बड़े पदों से नवाज़ा। मुझे बर्बाद करने की धमकियाँ दी और हर संभव कोशिश की। स्वाति मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल जी के संरक्षण में आम आदमी पार्टी में बढ़ता बेहिसाब भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ उत्पीड़न और मारपीट की घटनाएँ, गुंडा तत्वों को बढ़ावा और पंजाब के साथ हो रही धोखेबाजी और लूट को देखते हुए मैंने आज पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। मैं इस समय संसदीय समिति की बैठक के लिए इटानगर आई हुई थी। आज रात दिल्ली लौटने के बाद इस विषय पर विस्तार से बात करूँगी। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने भाजपा मुज़्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो तिहाई सांसदों ने भाजपा में विलय की घोषणा की है। राघव चड्ढा ने एज़्स पर लिखा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (क्क) के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के माननीय अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज़ सौंपे।

सात आप सांसदों के आने से भाजपा हुई ११३, अब बिल पास कराना होगा आसान

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): आम आदमी पार्टी को शुक्रवार को एक बड़ा झटका लगा, जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत उसके तीन राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और दिल्ली स्थित पार्टी मुज़्यालय में नितिन नबीन की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले दिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राघव चड्ढा ने पाठक और मित्तल के साथ कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों में से दो-तिहाई ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी सांसद हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल भी आम आदमी पार्टी छोड़ रहे हैं।

राघव चड्ढा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) के दस सांसदों में से सात ने औपचारिक रूप से भाजपा में विलय कर लिया है। इस कदम से दसवीं अनुसूची के तहत दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता पूरी हो गई है, जिसका अर्थ है कि वे अयोग्यता से बच गए हैं। वास्तव में, यह एक समन्वित, तत्काल और निर्णायक बदलाव है। भाजपा की स्वतंत्र शक्ति 106 से बढ़कर 113 हो गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर उन सात दलों के समूह की वजह से हुई है जो एक साथ आए थे। राज्यसभा, जो अज़्सर सरकारी विधेयकों को धीमा कर देती थी या उन पर बातचीत करती थी, अब पहले से कहीं कम प्रतिरोधी दिखती है। इस विलय से भाजपा को ऊपरी सदन में काफी मजबूती मिली है, जिससे वह कार्यात्मक बहुमत के करीब पहुंच गई है और विवादास्पद कानूनों को पारित करना उसके लिए आसान हो सकता है। आम आदमी पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है; उसने न सिर्फ सीटें खोई हैं, बल्कि अपने राष्ट्रीय विस्तार के सूत्रधारों को भी खो दिया है। चड्ढा का विदाई बयान—मैं गलत पार्टी में सही आदमी था—भाजपा के राष्ट्रवादी दृष्टिकोण के पक्ष में आम आदमी ब्रांड को पूरी तरह से नकारने का संकेत देता है।

सीइसी ज्ञानेश कुमार को मिलना चाहिए भारत रत्न-हिमंता विस्वा सरमा

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): असम के मुज़्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका की सराहना करते हुए इसे सुचारू चुनावी संचालन सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट कार्य बताया है। एज़्स पर एक पोस्ट में, सरमा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक संचालित किया, जिससे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित चुनाव सुनिश्चित करने में योगदान मिला।

सरमा ने लिखा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर के संबंध में और शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित चुनाव सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट कार्य किया है। मुज़्यमंत्री ने आगे कहा कि सीईसी के योगदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा और असम में भी इसी तरह के संशोधन की वकालत की। यह पूछे जाने पर कि ज़्या ज्ञानेश अपने एसआईआर कदम के लिए पद्म के हकदार हैं, हिमंता ने कहा कि उनको तो भारत रत्न देना चाहिए... जो उन्होंने किया है... जितना सज़्मान दिया जाएगा उतना कम हैं। सरमा ने बंगाल में भाजपा की झोली में 294 में से 200 सीटें आने की भी भविष्यवाणी की। हिमंत ने यह भी कहा कि वह सीईसी से असम में भी एसआईआर आयोजित करने का अनुरोध करेंगे।

हिमंता का खंडन करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि शुक्र है, उन्होंने (हिमंता बिस्वा सरमा) यह नहीं कहा कि वे शनि ग्रह पर भी चुनाव जीत जाएंगे। जहां तक मुज़्य चुनाव आयुक्त का सवाल है, सच्चाई यह है कि कोई चुनाव आयोग नहीं है।

'दिल्ली से बंगाल चलाने की भूल न करें... ममता बनर्जी की पीएम मोदी को सीधी चेतावनी

कोलकाता २४/०४ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में हर माँ-माटी-मानुष उज़्मीदवार के लिए जनता से समर्थन माँगा, और क्चछ्वक्क पर बंगाल की संस्कृति को बिगाड़ने का आरोप लगाया। एज़्स पर एक पोस्ट में सीएम बनर्जी ने बीजेपी पर परोक्ष हमला किया और कहा कि राज्य को दिल्ली से चलाया या नियंत्रित नहीं किया जाएगा। अपनी मातृभूमि के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने बंगाल की मज़बूती से रक्षा करने की बात कही। चौरांगी, भवानीपुर, जादवपुर और टॉलीगंज में, मैंने लोगों को स्पष्ट इरादे के साथ, दृढ़, एकजुट और बंगाल, उसकी पहचान और उसके भविष्य की रक्षा के लिए तैयार देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे बंगाल को दिल्ली से चला सकते हैं, उसकी राजनीति को नियंत्रित कर सकते हैं, उसके लोगों को बाँट सकते हैं, और उसकी संस्कृति को बिगाड़ सकते हैं, वे पूरी तरह से गलत हैं। इस धरती की याददाश्त बहुत लंबी है और इसकी रीढ़ बहुत मज़बूत है। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल को कमज़ोर करने की कोशिशों का लोकतांत्रिक तरीके से कड़ा जवाब दिया जाएगा। बीजेपी पर बंगाल के अधिकार छीनने और अपना एजेंडा थोपने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने इन चुनावों को प्रतिरोध की एक कोशिश के तौर पर देखा। जो लोग दिल्ली में बैठकर बंगाल के अधिकार छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साज़िश रच रहे हैं, उन्हें यह बात साफ़ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है, और वे अपने वोट के ज़रिए इसका जवाब देंगे। बंगाल को कमज़ोर करने की हर कोशिश का सामना एक निर्णायक लोकतांत्रिक विरोध से किया जाएगा। यह चुनाव बंगाल को कमज़ोर करने और उस पर नियंत्रण पाने की एक सुनियोजित कोशिश का विरोध करने के बारे में है। ममता बनर्जी ने सज़ाधारी टीएमसी द्वारा किए गए विकास और कल्याणकारी कार्यों पर भी बात की, और कहा कि लगातार रुकावटों के बावजूद बंगाल का विकास हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आपसी मतभेदों से ऊपर उठें और एक बार फिर टीएमसी को वोट देकर बंगाल की पहचान के लिए एकजुट होकर मतदान करें।उन्होंने लिखा कि लगातार रुकावटों के बावजूद बंगाल में विकास हर घर तक पहुँचा है। हमारी कल्याणकारी योजनाएँ लोगों के लिए जीवनरेखा के समान हैं, और कोई भी ताकत—चाहे वह खुद को कितनी भी शक्तिशाली ज़्यों न मानती हो—लोगों से इन्हें छीन नहीं सकती।

दलबदल कानून के तहत राघव चड्ढा समेत 3 सांसदों पर गिरेगी गाज? संजय सिंह बोले-सभापति को पत्र देंगे

नयी दिल्ली २४/०४ (संवाददाता): आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्यसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के लिए अयोग्य घोषित करने की मांग करेंगे। संजय सिंह ने एज़्स पर लिखा कि मैं माननीय राज्यसभा सभापति को एक पत्र प्रस्तुत करूँगा, जिसमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक को भारतीय जनता पार्टी (क्चछ्वक्क) में शामिल होने के कारण राज्यसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने की मांग की जाएगी, ज़्योंकि यह संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता त्यागने के समान है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत उसके तीन राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी और दिल्ली स्थित पार्टी मुज़्यालय में नितिन नबीन की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले दिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राघव चड्ढा ने पाठक और मित्तल के साथ कहा कि आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे। राघव चड्ढा ने कहा कि पार्टी सांसद हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल भी॰क्क छोड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस॰क्क को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से पूरी तरह भटक गई है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में॰क्क के उपनेता पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह मित्तल को उच्च सदन में नियुक्त किया गया था। चड्ढा ने पत्रकारों से कहा कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं। इनमें से दो-तिहाई से अधिक सांसद इस पहल में हमारे साथ हैं। उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं और आज सुबह हमने सभी आवश्यक दस्तावेज, जिनमें हस्ताक्षरित पत्र और अन्य औपचारिक दस्तावेज शामिल हैं, राज्यसभा अध्यक्ष को सौंप दिए हैं।

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी अब देश के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मुझे यह महसूस होने लगा है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। आज मैं आम आदमी पार्टी से अलग होकर जनता के साथ अधिक निकटता से काम करने का निर्णय ले रहा हूं। एक अन्य राज्यसभा सांसद, संदीप पाठक ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, लेकिन यह हो गई है। पाठक ने कहा कि मैं 10 वर्षों तक इस पार्टी से जुड़ा रहा। और आज मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एक्टिविटी
फ्यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों मे कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सकें। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में वो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ योगासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन मे सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख मे स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

स्टाइलिश दिखने के लिए सेलेब्रिटी लुक्स को करें री-क्रिएट

स्टाइलिश दिखने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से ही सूट के डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी के लुक्स को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। वहीं इसमें आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। बदलते फैशन के दौर में आपको और खासकर गर्मी के मौसम मे हम स्किन फ्रेंडली फैब्रिक और डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं।ज्यादातर ऑफिस जाने के लिए हम सिंपल और मिनिमल डिजाइन के कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। तो आइये आज हम आपको दिखाने वाले हैं ऑफिस में पहनने के लिए सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन लुक्स को आकर्षक बनाने के कुछ आसान टिप्स

ए-लाइन सूट

खासकर प्लस साइज इस तरह की स्ट्रैट फिटिंग वाले सलवार-सूट को पहनना सबसे ज्यादा पसंद करते है। ऐसा इसलिए यह आपकी बॉडी को फ्लेयर के साथ परफेक्ट और स्लिम लुक देने में सहायता करते हैं। बदलते दौर में इस तरह में आजकल घुटने तक और फ्लोर लेंथ सूट को पसंद किया जा रहा है।

लूज डिजाइन सूट

आजकल पाकिस्तानी स्टाइल लूज डिजाइन के सलवार-कमीज काफी चलन में है। इसमें आपको धोती व एंकल लेंथ वाली पैन्ट्स के साथ मे कई डिजाइन के सूट देखने को मिल जाएंगे। आजकल की बात करें तो इसमें आलिया कट और नायरा कट सूट के डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है।

अंगरखा डिजाइन सूट

फैंसी लुक पाना चाहती है तो इस तरह के कट डोरी यानी अंगरखा डिजाइन के सूट को वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के सूट मे आजकल फ्लोर टच लेंथ को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है। वहीं डोरी को हैवी और फैंसी लुक देने के लिए आप इसमें लटकन भी लगवा सकती है।

बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटाने के लिए कर सकते हैं इन तरीकों का इस्तेमाल

AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो-एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है। इससे बैंक से जुड़े किसी भी काम को आसानी से निपटा सकते हैं।

बैंक से जुड़े किसी भी काम कराने के लिए कई बार हमें लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते है, बिना लाइन में खड़े हुए भी आप बैंक से जुड़े किसी भी काम को सिर्फ आधार कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम = बैंकों की लंबी लाइन से मिलेगी आजादी

नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों मे खास तौर से फायदेमंद है, जहां बैंक शाखाएं कम हैं और लोगों को बुनियादी बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी लाइन खड़ी करनी पड़ती हैं। यह एक डिजिटल लेन-देन प्रणाली है, जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करके वित्तीय लेन-देन की सुविधा देती है। AePS, आधार नंबर और फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन की मदद से वेरिफिकेशन करके, माइक्रो एटीएम से वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा देता है।

AePS क्या है?

AePS एक बैंक-आधारित मॉडल है, जो आधार कार्ड और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करके कस्टमर को अलग-अलग बैंकिंग लेनदेन करने की सुविधा देता है। इसका मतलब है कि आपको बैंक शाखा में जाने या एटीएम का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। आप किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाकर लेनदेन कर सकते हैं।

AePS की खासियत

- यह आधार कार्डधारकों को आसानी से लेनदेन शुरू करने और खत्म करने की सुविधा देता है।
- यह बैंकों को अपने शाखा नेटवर्क से बाहर के ग्राहकों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में मदद करता है।
- यह वंचित क्षेत्रों में बुनियादी बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में मददगार है।
- यह सरकारी हकदारियों, जैसे कि मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और विकलांग वृद्धावस्था पेंशन का वितरण भी करता है।

इस्तेमाल कैसे करें

- AePS का इस्तेमाल करने के लिए, सबसे पहले अपने बैंक खाते को आधार नंबर से लिंक करें। फिर, अपने बैंक से संपर्क करके बताएं कि आप AePS का इस्तेमाल करना चाहते हैं। भुगतानकर्ता या लाभार्थी के पास AePS होना जरूरी नहीं है।
- किसी भी AePS-सक्षम कियोस्क या माइक्रो एटीएम पर जाएं। अपना आधार कार्ड दर्ज करें। अपनी बायोमेट्रिक जानकारी (आमतौर पर फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन) प्रदान करें। लेनदेन का प्रकार चुनें (जैसे नकद निकासी, फंड ट्रांसफर)। जरूरी जानकारी दर्ज करें (जैसे राशि, प्राप्तकर्ता का अकाउंट नंबर)। लेनदेन की पुष्टि करें।

क्या है के लाभ

- आधार कार्ड धारक अपने आधार-सक्षम बैंक खाते तक पहुंच सकते हैं।
- शेष राशि की जांच की जा सकती है।
- नकद निकासी की जा सकती है।
- पैसे ट्रांसफर किए जा सकते है।
- जमा किए जा सकते हैं।
- विदेश में पैसा भेजा जा सकता है।
- बैंक से जुड़े दूसरे काम किए जा सकते हैं।
- किसी भी बैंक के बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के जरिए पीओएस (माइक्रो एटीएम) पर ऑनलाइन लेन-देन किए जा सकते हैं।
- कैशलेस भुगतान और पैसे के लेनदेन को बढ़ावा मिलता है।
- AePS भारत में वित्तीय दर को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह ग्रामीण और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान कर रहा है और उन्हें बैंक शाखाओं पर अपनी निर्भरता कम करने मे मदद कर रहा है। इसके जरिए, आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।

AePS के जरिए ये काम किए जा सकते हैं

नकद जमा, नकद निकासी, बैलेंस पूछताछ, मिनी स्टेटमेंट, आधार से आधार फंड ट्रांसफर।

प्रोडक्ट डिफेक्टिव निकलने पर भी हो सकता है स्कैम इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के साथ-साथ, खराब प्रोडक्ट या गलत प्रोडक्ट मिलने पर रिफंड या रिप्लेसमेंट के नाम पर स्कैम होने का खतरा भी बढ़ गया है। इन बातों का ध्यान रखें।

अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के बाद डिलिवर हुए डिफेक्टिव प्रोडक्ट का कंपनी के कस्टमर केयर से कंप्लेंट कर के सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। या फिर सोशल मीडिया पर कंपनी को टैग कर के स्टोरी लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए, आपके साथ स्कैम हो सकता है। असल में जब कोई कस्टमर सोशल मीडिया पर ऐसी कोई पोस्ट करता है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर के आपके साथ धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग मे तेजी से बढ़ोतरी के साथ, फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। प्रोडक्ट डिफेक्टिव यानी फॉल्टी प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर भी स्कैम हो रहे हैं, इसके लिए स्कैमर्स सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। ये स्कैमर्स, फेक ब्रांड कस्टमर बनकर लोगों से बात करते हैं। फिर, ग्राहक को प्रोडक्ट के रिफंड के नाम पर मैसेज पर लिंक भेजते हैं। इस लिंक में ग्राहक से बैंक डिटेल्स भरवाई जाती है और फिर अकाउंट खाली कर दिया जाता है।

रिफंड और रिकवरी घोटालों से बचने के लिए, इन बातों का ध्यान रखें -

गाइडलाइन के मुताबिक कभी भी बैंक ट्रांजैक्शन की डिटेल सोशल मीडिया पर नहीं डालनी चाहिए। इसके अलावा ब्रांड के ही कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर पर ही कंप्लेंट करें।

- अगर कंप्लेंट करने पर भी कार्रवाई न हो तो, कंज्यूमर फोरम में शिकायत करें।
- ऐसी किसी भी कार्रवाई के लिए मामले का निवारण न हो जाने तक कस्टमर और कंपनी के बीच बात रखें, गोपनीयता बनाए रखने से स्कैम होने का डर कम हो जाता है।
- अपनी खोई हुई रकम से ज्यादा रकम का रिफंड चेक न जमा करें।
- कुछ घोटालेबाज कहेंगे कि उन्होंने चेक भुनाने, बकाया राशि अपने पास रखने और बाकी रकम लौटाने में गड़बड़ी की है। इससे अक्सर घोटाला हो सकता है।
- किसी बैंक को यह पता लगाने में कई हफ्ते लग सकते हैं कि उसके द्वारा क्लीयर किया गया चेक नकली था।
- इस बीच, अगर आप घोटालेबाज को पैसे लौटाते है, तो बैंक आपसे वह पैसा चुकाना चाहेगा।

इनकम टैक्स रिफंड के नाम पर भी स्कैम होते हैं। ऐसे में, इन बातों का ध्यान रखें

- अनचाहे मैसेज
- अर्जेंट रिक्वेस्ट
- संदिग्ध लिंक
- निजी जानकारी के लिए रिक्वेस्ट
- सोर्स को वेरीफाई करें
- पर्सनल डिटेल्स साझा करने से बचें
- सेफ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित खरीदारी

- केवल पहचानें वेबसाइटों और विक्रेताओं से खरीदारी करें।
- खरीदने से पहले उत्पाद समीक्षाएं और रेटिंग जरूर पढ़ें।
- क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते समय, इस बात का ध्यान रखें कि वेबसाइट HTTPS सुरक्षित है।
- अपनी निजी जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतें, किसी भी विक्रेता के साथ अपनी बैंक अकाउंट जानकारी या अन्य जानकारी शेयर करने से पहले सावधान रहें।
- अगर कोई ऑफर या छूट बहुत अच्छी लगती है, तो कई बार यह सच नहीं भी होता है।
- अपने बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को नियमित तौर पर जांचें और किसी भी अनऑथराइज्ड लेनदेन की रिपोर्ट करें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 25 अप्रैल 2026

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उ मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कु यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा। बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार-तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफे हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफे के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि अमेरिका में भी इस पर ट्रंप के विरोधी नेता सवाल कर रहे हैं और उन्हें सवाल करने दिया जा रहा है। मगर भारत में भाजपा को बचाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का नाम लेना ही गुनाह की तरह दिखाया जा रहा है। बुधवार को जब संसद के भीतर राहुल गांधी को इस मामले में बोलने से रोका गया तो उन्होंने बाहर आकर अपने आरोपों को दोहराया। जिसके बाद केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। हालांकि वे चाहते तो जब से उनका नाम इस मुद्दे पर आया, तभी खुलकर सारी बातें बता सकते थे। लेकिन दबाने-छिपाने की इस प्रवृत्ति से ही शक गहराता है। बहरहाल, हरदीप सिंह पुरी ने माना कि उनकी मुलाकात कु यात अपराधी जेफ़्री एपस्टीन से तीन-चार बार हुई थी। यानी राहुल गांधी ने संसद के भीतर जो कुछ कहा, उसे खुद हरदीप पुरी ने सत्यापित कर दिया है। इसके बाद उन पर क्या आरोप लगते हैं और कितने साबित होते हैं, ये तो बाद की बात है, सबसे पहले उन्हें नैतिकता के आधार पर ही इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार की डिक्शनरी में शायद नैतिकता शब्द है ही नहीं, इसलिए उसके आधार पर इस्तीफे भी नहीं होते। पत्रकारों को अपनी बात बताते हुए हरदीप पुरी ने कुछ बड़ी गलतियां कर दीं। एक तो उन्होंने कहा कि एपस्टीन पर कुछ कम उम्र की लड़कियों के शोषण का आरोप था, जबकि सच यह है कि इस मामले में उसे सजा भी हो चुकी थी।

भारत को कमजोर करने वाला अमेरिकी व्यापार समझौता

जगदीश रत्तनानी

अब जब भारत ने एक खिड़की खोल दी है तो डेयरी के मामले में अमेरिकी दबाव दूर नहीं होगा बल्कि समय के साथ और बढ़ने की संभावना है। इस आलोक में व्यापार समझौते में यह बयान कि, भारत अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों के व्यापार के लिए लंबे समय से चली आ रही गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने के लिए भी सहमत है%, उस जाल की प्रकृति को इंगित करता है जिसमें भारत फंसता चला गया है।

आप इसे किसी भी तरह से घुमा-फिरा कर देंखे, यह स्पष्ट है कि व्यापार समझौते के बदले में अमेरिका के आदेशों के आगे भारत झुक गया है। यह भारत पर दंडात्मक टैरिफ को तो कम करता है लेकिन देश के दीर्घकालिक हितों को भी दूर करता है। इसके साथ ही लंबे समय से भारत के नीति ढांचे का केंद्रबिंदु रहे बहुप्रतीक्षित रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करता है। यह सच है कि दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापार के संबंध में अंतरिम समझौते के बारे में सारे विवरण ज्ञात नहीं है लेकिन जो कुछ भी मालूम है- जिसमें सौदे के आसपास की परिस्थितियां, इसकी घोषणा का तरीका, संयुक्त बयान की भाषा और व्हाइट हाउस के कार्यकारी आदेश शामिल हैं, इस बात की ओर इशारा करता है कि भारत ने कुछ लंबे समय से चले आ रहे रुख को बदल दिया है और उस हद तक यह दो बराबर के देशों के बीच का समझौता नहीं है।

आपसी सहमति से जारी बयान का समय देखने पर पता चलता है कि अमेरिका साधारण शिष्टाचार पालने की तकलीफ भी नहीं उठाता। ट्रंप ने दोनों देशों द्वारा 6-7 फरवरी को आधिकारिक रिलीज से कुछ दिन पहले दो फरवरी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर व्यापक समझौते की घोषणा की थी।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा जारी संयुक्त बयान में भारत सरकार की घोषणा पर 7 फरवरी, सुबह 4.29 बजे टाइम स्टै प है जो एक अपरंपरागत समय है जिसे अमेरिकी टाईमज़ोन के अमेरिकी नेतृत्व वाली घोषणा के रूप में प्रस्तुत किया गया था। नेहरू ने कहा था कि %जब दुनिया सोएगी, तो भारत स्वतंत्रता के लिए जाग जाएगा% तो हम कह सकते हैं कि यह समझौता स्वतंत्रता और आदर्शवाद की उस सुबह के शाब्दिक और रूपक के उलटफेर को चिह्नित करता है क्योंकि जब भारत सो रहा था तब अमेरिका ने एक ऐसा समझौता किया जो भारत के व्यापारिक भागीदार और उस हद तक इसकी स्वतंत्रता, लक्ष्यों, अपनी प्राथमिकताओं को तय करने के अधिकार को छीन लेता है।

फिर भी, राजनयिक बारीकियों के बिना देंखे तो ट्र प और अमेरिकी प्रशासन की घोषणा का समय केवल एक गहरे नुकसान की सतही परेशानियों को चिह्नित करते हैं जिसे भारत को समय के साथ स्वीकार करना होगा। अमेरिका के साथ कठिन शर्तों पर की गई गलबहियां, विशेष रूप से खाद्य और कृषि क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है बल्कि एक दीर्घकालिक पारिस्थितिकी-प्रणाली परिवर्तन का जोखिम उठाता है जो अपरिवर्तनीय हो सकता है और भारत को एक ऐसे रास्ते पर चलने को मजबूर करता है जो देश को बहुत असहज कर देगा। जो कुछ भी हो रहा है उससे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके सहयोगी संगठन भी सहज नहीं होंगे।

आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ के बयान से देखा जा सकता है कि आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएम) से संबंधित उत्पादों के लिए देश में प्रवेश करने का कोई रास्ता नहीं खुलना चाहिए। जबरन सौदा करने की ट्र पवादी शैली और अमेरिका के वाइल्ड वेस्ट के तरीके समय के साथ बीत सकते हैं लेकिन इस व्यापार समझौते के निहितार्थ लंबे समय बाद भी भारत के लिए एक कीमत तय करते रहेंगे। अल्पावधि लाभ के लिए किया गया समझौता अनिवार्य रूप से लंबी अवधि के लिए नुकसानदेह होता है।

ध्यान दें कि समझौते में शामिल न किए गये दूध के आयात के खिलाफ़ भारतीय नीति को अमेरिका विदेश व्यापार की राह में बाधा के रूप में देखता है। भारतीय विचार में डेयरी केवल उन जानवरों से होनी चाहिए जिन्हें रक्त युक्त पदार्थों वाला भोजन नहीं दिया जाता या जुगाली करने वाले अथवा सूअर के आंतरिक अंगों या ऊतकों से युक्त आहार नहीं दिया जाता है लेकिन अमेरिका का मानना है कि इस दृष्टिकोण में स्पष्ट पशु स्वास्थ्य या मानव स्वास्थ्य औचित्य का अभाव है।

अमेरिकी आयात के लिए कृषि क्षेत्र को खोलने का किसान समूहों ने विरोध किया है जिस पर देश को आश्वासन दिया गया है कि भारत के किसानों, एमएसएमई क्षेत्र, डेयरी या हथकरघा और हस्तशिल्प के हितों को नए व्यापार समझौते के तहत संरक्षित किया जाएगा और सौदे के एक हिस्से के रूप में कोई भी जीएम फसल भारत में प्रवेश नहीं करेगी लेकिन इस बात पर विचार करें कि नो-जीएम आयात का दावा एक पतले धागे से जुड़ा है- उदाहरणार्थ, ड्रायड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी-मक्का, चावल या गेहूं से एथेनॉल के उत्पादन के बाद बचा हुआ एक प्रमुख उप-उत्पाद है। यह पशु आहार, विशेषकर गायों और पोल्ट्री के लिए प्रोटीन, वसा और फाइबर का एक पौष्टिक व कम लागत वाला स्रोत है।

इस सूखे चारे का उपयोग पशुओं की उत्पादकता और ऊर्जा के लिए किया जाता है)। घोषणा के अनुसार व्यापार समझौते में पहले नंबर पर शामिल डीडीजी के अनाज या पशु आहार ज्यादातर जीएम फसल से आते हैं।

डीडीजी पशु फीड में पोषण मूल्य जोड़ता है लेकिन क्या यह दावा किया जा सकता है कि भारी प्रसंस्करण के बाद मकई से जो इथेनॉल निकाला जाता है उससे क्या जीएम गुणवत्ता मिटा दी जाती है? इस बात पर कोई सहमति नहीं है कि प्रसंस्करण में ट्रांसजेनिक प्रकृति को समाप्त कर दिया गया है। डीडीजी का उपयोग मवेशियों, डेयरी गायों, सूअर और कुछ पोल्ट्री को खिलाने में किया जाता है जो डेयरी श्रृंखला में प्रवेश करने के लिए जीएम-लिंक्ड उत्पाद के लिए एक मार्ग खोलता है। इसके अलावा अगर यह भारत के लिए रेड लाइन नहीं है तो भारत अन्य बिंदुओं पर कब तक टिके रह सकता है?

उदाहरण के लिए डेयरी, जिस पर अमेरिका डीडीजी की तरह जोर दे रहा है? ध्यान दें कि समझौते में शामिल न किए गये दूध के आयात के खिलाफ़ भारतीय नीति को अमेरिका विदेश व्यापार की राह में बाधा के रूप में देखता है।

भारतीय विचार में डेयरी केवल उन जानवरों से होनी चाहिए जिन्हें रक्त युक्त पदार्थों वाला भोजन नहीं दिया जाता या जुगाली करने वाले अथवा सूअर के आंतरिक अंगों या ऊतकों से युक्त आहार नहीं दिया जाता है लेकिन अमेरिका का मानना है कि इस दृष्टिकोण में स्पष्ट पशु स्वास्थ्य या मानव स्वास्थ्य औचित्य का अभाव है। अब जब भारत ने एक खिड़की खोल दी है तो डेयरी के मामले में अमेरिकी दबाव दूर नहीं होगा बल्कि समय के साथ और बढ़ने की संभावना है।

इस आलोक में व्यापार समझौते में यह बयान कि, %भारत अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों के व्यापार के लिए लंबे समय से चली आ रही गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने के लिए भी सहमत है, उस जाल की प्रकृति को इंगित करता है जिसमें भारत फंसता चला गया है। अमेरिका का एक विवादित बयान यह भी है कि भारत को छह महीने के भीतर यह निर्धारित करना होगा कि %सकारात्मक परिणाम की दृष्टि से ... क्या पहचाने गए क्षेत्रों में भारतीय बाजार में प्रवेश करने वाले अमेरिकी निर्यात के प्रयोजनों के लिए अमेरिका-विकसित या अंतरराष्ट्रीय मानक, परीक्षण आवश्यकताओं सहित स्वीकार्य हैं?

भारत पर टैरिफ कम करने के लिए ट्र प द्वारा जारी कार्यकारी आदेश (%रूसी संघ की सरकार द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए खतरों को संबोधित करने के लिए कर्तव्यों में संशोधन) एक समिति भी स्थापित करती है जो %इस बात की निगरानी करेगी कि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूसी संघ के तेल का आयात फिर से शुरू करता है या नहीं और दंडात्मक शुल्क वापस आने की धमकी के साथ यह निर्धारित किया जाता है कि भारत ने रूसी तेल खरीदना बंद नहीं किया है या फिर से शुरू नहीं किया है।

इनमें से कोई भी शर्त भारत के लिए सहज नहीं है। समझौते का बचाव करने के लिए निश्चित रूप से सरकार आक्रामक हो गई है लेकिन यह संभावना नहीं है कि देश इन शर्तों को पूरी तरह से स्वीकार करेगा। सरकार के लिए यह उचित होगा कि वह इस सौदे का अधिक बचाव न करे, जैसा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोशिश की थी। समझदारी यह होगी कि जनता की राय विकसित होने के आलोक में कुछ पीछे हटने के लिए जगह छोड़ी जाए।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव और निष्पक्षता का खत्म होना

एन अशोक

लोकसभा अध्यक्ष का पद सिर्फ बहुमत पर नहीं, बल्कि भरोसे पर चलता है। अगर विपक्ष को सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है, तो एक काम करने वाली विधायिका के लिए ज़रूरी %पारस्परिक भरोसे% की बुनियाद ही खत्म हो जाती है। जब सदन दोबारा शुरू होता है, तो हथौड़ा अभी भी डेस्क पर लग सकता है, लेकिन उससे जो आवाज़ आती है वह और ज़्यादा खोखली होती जाती है। भारत के संसद, जो लंबे समय से ज़ोरदार बहस और कभी-कभी हंगामे का मैदान रहा है, अब एक ऐसे युद्ध के मैदान में बदल गया है जहां निष्पक्ष अंपायर की अवधारणा ही खतरे में है। हाल ही में लगभग 120 विपक्षी सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास पेश करना सिर्फ एक प्रक्रिया से जुड़ी झड़प नहीं है, बल्कि यह एक ढांचागत दरार है। लोकसभा अध्यक्ष के इस दावे, जैसा पहले कभी नहीं हुआ,से शुरू हुए विवाद कि गुप्तचर सूचना से पता चला है कि विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को %घेरने% की योजना बना रहे थे, स्वयं में एक ऐसी घटना है जो कार्यपालिका की सुरक्षा, विधायिका के विशेषाधिकार, और संसदीय स्वतंत्रता के क्रमबद्ध तरीके से खत्म होने के खतरनाक मेल को उजागर करती है।

इस संसदीय तूफान के केन्द्र में एक ऐसा दावा है जो एक ऐसे परिकल्पित राज्य या समाज की ओर इंगित करता है जहां लोग अन्याय से पीड़ित हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला का यह सार्वजनिक दावा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की रुकावट डालने वाली चालों की वजह से प्रधानमंत्री का सदन से गैरहाजिर रहना ज़रूरी हो गया था, भारतीय विधायिका के इतिहास में एक अहम मोड़ है। पर परा से लोकसभा अध्यक्ष सदन के अभिभावक होते हैं, जो कार्यपालिका के दखल से सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर एक ज़रूरी बहस से प्रधानमंत्री के गैरहाजिर रहने को सही ठहराने के लिए गुप्तचर सूचना का हवाला देकर, लोकसभा अध्यक्ष ने असल में पटकथा को पलट दिया है। वह सांसदों के रक्षक से सरकार की ढाल बन गए हैं।

नज़ारा कड़वा है- पीठासीन अधिकारी, जिसे सदन के अंदर आखिरी अधिकारी होना चाहिए, अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बिचौलिए के तौर पर काम कर रहे हैं। इस कदम से पता चलता है कि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और इंटेलिजेंस ब्यूरो अब स्पीकर की कुर्सी पर एक प्रॉक्सी सीट रखते हैं। अगर प्रधानमंत्री, जो देश के सबसे ताकतवर आदमी हैं, देश के सबसे सुरक्षित भवन के अंदर लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों का सामना नहीं कर सकते, तो यह या तो सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी नाकामी का इशारा है या एक आसान राजनीतिक पलायन की रणनीति का।

इस विवाद को और ज़्यादा ज़हरीला बनाया गुमनाम एप्सटीन फाइलों के वायरल होने ने, जिसमें विपक्ष के सांसदों को जोड़ा गया था, जो अजीब कपड़े फाड़ने की साज़िश थी। हालांकि सरकार ने इन्हें एआई से बनी चालें कहकर खारिज कर दिया, लेकिन असली नुकसान संस्थागत ताने-बाने को हुआ। जब लोकसभा अध्यक्ष की आधिकारिक बातें इंटरनेट पर टांग खींचने वाले सनसनीखेज बातों जैसी होती हैं- यह इशारा करते हुए कि महिला सांसद सुरक्षा के लिए खतरा हैं- तो सदन की इज़्ज़त न सिर्फ़ कम होती है; बल्कि वह जलकर राख हो जाती है।

संसदीय विरोध को एक शारीरिक खतरे के तौर पर दिखाकर, सत्ताधारी सरकार, लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय के ज़रिए, विपक्ष के असली मतलब को ही गलत साबित करने की कोशिश कर रही है। लोकतंत्र में, %घेराव%, नारे लगाना और वॉकआउट उन लोगों के हथियार हैं जिन्हें वोट नहीं दिया जाता। इन पर %कानून व्यवस्था के जोखिम% के तौर पर छाप लगाना संसद को साफ-सुथरा बनाने और इसे एक एकल संस्कृति की गूंज वाले सदन में बदलने की एक सोची-समझी चाल है, जहां कार्यपालिका को कभी असहजता महसूस न हो। लोकसभा अध्यक्ष के कामों का तकनीकी बचाव अक्सर संविधान की चुप्पी में चला जाता है। जबकि अनुच्छेद 118 सदन को अपने नियम बनाने की इजाज़त देता है, ऐसा कोई साफ़ प्रावधान नहीं है जो लोकसभा अध्यक्ष को %गुप्तचर सूचना% के आधार पर प्रधानमंत्री को सत्र छोड़ने की सलाह देने का अधिकार दे। यह एक अस्पष्ट संवैधानिक ग्रे ज़ोन में आता है।

हालांकि, संवैधानिक नैतिकता सिर्फ़ लिखी हुई बातों के बारे में नहीं है, बल्कि जो व्यवहार में किया जाता है, उसके बारे में है। लोकसभा अध्यक्ष का अधिकार निष्पक्षता की सोच पर टिका होता है। जब उस सोच को पार्टी की सुविधा के लिए बदल दिया जाता है, तो यह पद अपना नैतिक वजन खो देता है।

विपक्ष की शिकायत साफ़ है - अगर लोकसभा अध्यक्ष सार्वजनिक रूप से गुप्तचर कथा का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं, तो वे रेफरी नहीं रह जाते और प्लेयर बन जाते हैं। कार्यपालिका से परहेज का यह सामान्यीकरण यह पक्का करता है कि जि मेदारी विधायिका का मु य काम है, और वही सबसे पहले नुकसान में है। कुल 120 सांसदों के समर्थन वाला यह प्रस्ताव सं या के हिसाब से मजबूत नहीं है। भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए आराम से 272 का आंकड़ा पार कर जाएगा, इसलिए प्रस्ताव हार जाएगा, और ओम बिड़ला पद पर बने रहेंगे। तब विपक्ष को कैसे परेशानी होगी, यह सवाल खड़ा होता है। इसका जवाब भरोसे के बैरोमीटर में है। यह प्रस्ताव टूटे हुए रिश्ते का एक औपचारिक रिकॉर्ड है। राहुल गांधी के हस्ताक्षर की रणनीतिगत गैरमौजूदगी भी- शायद टकराव को सीधे %व्यक्तिगत% करने से बचने की एक चाल है- जो इस बात को नहीं छिपा सकती कि सदन का एक बड़ा हिस्सा अब अध्यक्ष को एक निष्पक्ष निर्णायक के तौर पर नहीं देखता। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का इतिहास जो 1954 में जी.वी. मावलंकर से लेकर आज तक की है, एक रुझान दिखाती है- वह यह कि ये प्रस्ताव मोशन कभी भी वोट जीतने के बारे में नहीं होते; ये विश्वास के संकट को उजागर करने के बारे में होते हैं। ज़्यादा जानें समाचार संग्रह मोबाइल फोन ई-पेपर संसद के द्वार पर विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने का लोकसभा अध्यक्ष का फैसला एक किले जैसी विधानसभा की छवि को और मजबूत करता है। असहमति के लिए वास्तविक जगहों को बंद करके और सांसदों के व्यवहार पर शक जताने के लिए कुर्सी का इस्तेमाल करके, मौजूदा नेतृत्व भारतीय संसदीय राजनीति के डीएनए को पूरी तरह से बदल रही है। चुनावी कवरेज भाजपा का प्रति तर्क कि कांग्रेस ने पहले भी ऐसा ही बर्ताव किया था, अभी चल रही बढ़ती हुई बातों को नज़रंदाज़ करता है। अगर पिछले उदाहरण गलत थे, तो इसका हल पार्टीबाज़ी को दोगुना करना नहीं है, बल्कि उन %ऊंचे मानकों% को फिर से स्थापित करना है जिनकी एक उभरती हुई सुपरपावर को ज़रूरत है। 2026 का अविश्वास प्रस्ताव वोटों के मामले में शायद एक धीमी आवाज़ के साथ खत्म होगा, लेकिन इसकी गूंज बहरी कर देने वाली होगी। यह वह पल था जब दुनिया की सबसे बड़े लोकतंत्र के रेफरी पर न सिर्फ एक फ़ाउल मिस करने का आरोप लगा, बल्कि होम टीम की जर्सी पहनने का भी आरोप लगा। लोकसभा अध्यक्ष का पद सिर्फ बहुमत पर नहीं, बल्कि भरोसे पर चलता है। अगर विपक्ष को सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है, तो एक काम करने वाली विधायिका के लिए ज़रूरी %पारस्परिक भरोसे% की बुनियाद ही खत्म हो जाती है। जब सदन दोबारा शुरू होता है, तो हथौड़ा अभी भी डेस्क पर लग सकता है, लेकिन उससे जो आवाज़ आती है वह और ज़्यादा खोखली होती जाती है। भारत की संसद अब सिर्फ बहस का घर नहीं रही; यह शक का घर है, जहां कार्यपालिका की सुरक्षा व्यवस्था का इस्तेमाल लोगों की आवाज़ दबाने के लिए किया जाता है।

विविध समाचार

जालंधर निगम में 35 साल बाद ऐतिहासिक फैसला, 1196 सफाई सेवकों की भर्ती को मंजूरी

जालंधर २४/०४ (संवाददाता): जालंधर नगर निगम की तीन दशकों से चली आ रही मांग आज एक बड़ी कामयाबी के तौर पर पूरी हुई है। लोकल गवर्नमेंट डिपार्टमेंट ने शहर के सफाई सिस्टम को मजबूत करने के लिए 1196 नई भर्तियों को मंजूरी दे दी है। शहर की सीमा में आबादी बढ़ने के बावजूद सालों से ह्यूमन रिसोर्स की कमी थी। नई मंजूरी के तहत सफाई सेवकों, सीवरमैन, मालियाँ और फिटर कुली जैसी कैटेगरी में खाली पोस्ट भरी जाएंगी, जिससे निगम की जमीनी ताकत बहुत मजबूत होगी। जालंधर सेंट्रल हलका इंचार्ज नितिन कोहली ने इस प्रोसेस को आगे बढ़ाने में अहम और लगातार भूमिका निभाई। इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने चंडीगढ़ में कई मीटिंग कीं और लगातार फॉलो–अप करते रहे। उनके साथ मेयर वनीत धीर, सफाई यूनियन पंजाब के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल और निगम कमिश्नर सदीप ऋषि ने भी डॉक्यूमेंटेशन और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस में हिस्सा लिया, जिसके बाद लोकल गवर्नमेंट मिनिस्टर डॉ. रवजोत सिंह ने ऑफिशियल अप्रूवल जारी किया।

मेयर वनीत धीर ने कहा कि यह फैसला जालंधर के लिए बहुत जरूरी है और निगम को लंबे समय से जरूरी रिसोर्स दिए जा रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि नितिन कोहली की कड़ी मेहनत और लगातार फॉलो–अप इस अप्रूवल को लाने की सबसे बड़ी वजहें थीं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसका सीधा फायदा शहर की गलियों, बाजारों और वार्डों में सफाई सिस्टम में सुधार के रूप में दिखेगा। दूसरी ओर, नितिन कोहली ने कहा कि उनका लक्ष्य जालंधर को एक साफ, बेहतर और मॉडर्न शहर बनाना है। 1196 कर्मचारियों की भर्ती से सफाई के काम में तेजी आएगी, सीवेज मैनेजमेंट बेहतर होगा और शहर की सुंदरता में बड़ा सुधार दिखेगा। उन्होंने कहा कि वह शहर के विकास और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

नितिन कोहली ने कहा कि यह ऐतिहासिक मंजूरी मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी सरकार की दूर की सोच और लगातार मदद का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार हमेशा लोगों के साथ है और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देती है। लोगों की भलाई और शहर के विकास के लिए उठाए गए ऐसे कदम इस बात का सबूत हैं कि यह पंजाब की सबसे अच्छी सरकारों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि 1196 सफाई कर्मचारियों की भर्ती जैसी जरूरी कोशिशें इसी लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई सोच और लीडरशिप की वजह से मुमकिन हो पाई हैं, और जालंधर अब एक साफ, सेहतमंद और अच्छे से मैनेज किया जाने वाला शहर बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। यह मंजूरी जालंधर के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत साबित होगी, जो शहर को साफ, सेहतमंद और ज्यादा डेवलप बनाने में बहुत मदद करेगी और इसका असर आने वाले महीनों में जमीनी स्तर पर दिखेगा।

फिरोजपुर के बॉर्डर एरिया में खालसा एड ने निभाया सच्चा मानवता का फर्ज : रवी सिंह

फिरोजपुर२४/०४ (संवाददाता): मानवता की सेवा के लिए समर्पित संस्था खालसा एड हमेशा आगे रहती है। संस्थापक रवी सिंह के नेतृत्व में यह संस्था दुनिया भर के जरूरतमंद लोगों तक बिना किसी भेदभाव के मदद पहुँचाती है। खालसा एड संस्था के मेंबर जसप्रीत सिंह दहिया और लखवीर सिंह ने बताया कि खालसा एड का उद्देश्य हर मुश्किल घड़ी में लोगों का साथ देना है। खालसा एड एक अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी संस्था है, जो "सर्वभूत भला" की सिखी प्रिंसिपल को अपनाकर युद्धों, प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भुखमरी, माइग्रेंट संकट और विस्थापन जैसी स्थितियों में दुनिया भर में सहायता करती आ रही है। सीरिया, इराक, तुर्की, अफगानिस्तान, सोमालिया, यूक्रेन, लंदन बाढ़ और कोविड काल में भारत में ऑक्सीजन सेवाकृहर स्थिति में खालसा एड ने मानवता को प्राथमिकता दी है। पंजाब में भी यह संस्था बाढ़–प्रभावित इलाकों, गरीब परिवारों, विद्यार्थियों, बुजुर्गों और जरूरतमंद घरों तक सीधो मदद पहुँचाती रही है। फिरोजपुर के बॉर्डर एरिया के गाँव दोना राजा दीना नाथ, जहाँ हाल ही में सतलुज दरिया ने 80–100 एकड़ जमीन अपने में समा लिया, इस कारण खेती–बाड़ी में नुकसान हुआ। अब खालसा एड ने इन गाँवों में हाथ बढ़ाकर लोगों की मदद शुरू कर दी है। खालसा एड और उसकी टीम दिन–रात मेहनत कर रही है। रवी सिंह ने कहा कि खालसा एड "इंसानियत पहले" के सिद्धांत पर अटल रहता है और लोगों के दुख–दर्द को अपनी जिम्मेदारी समझता है। फिरोजपुर बॉर्डर बेल्ट में पंजाब टीम द्वारा किए जा रहे काम संस्था की निस्वार्थ सेवा का साफ प्रमाण हैं। संस्था ने दोहराया कि लोगों का भरोसा और सहयोग ही खालसा एड की सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले दिनों में भी खालसा एड पंजाब सहित दुनिया के कई इलाकों में मानवता की सेवा के मिशन को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

नामांकन से पहले आप ने सत्ता का बेरहमी से दुरुपयोग किया : राजा वड़िंग

चंडीगढ २४/०४ (संवाददाता): पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान राज्य में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सरकार पर सत्ता का बेरहमी से दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। यहां जारी एक बयान में, उन्होंने कहा कि यह दीवार पर लिखी सच्चाई को ही दर्शाता है कि आप अपना आधार खो चुकी है और उसे इसका एहसास भी हो गया है, जिसकी वजह से वह पुलिस और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल करने की ऐसी बेचौन कोशिशें कर रही है। आज के घटनाक्रम को सार बताते हुए, वड़िंग ने कहा कि राज्य भर से आई खबरों से पता चलता है कि कैसे सत्ताधारी आप ने विपक्ष के उम्मीदवारों को डराने के लिए सत्ता का गलत इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि सत्ता के इतने बेरहमी से गलत इस्तेमाल के बावजूद, ज्यादातर कांग्रेस उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करने में कामयाब रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पूरे राज्य में सब कुछ कैमरों में कैद हो रहा है और इससे सरकार की पोल खुल गई है।

उन्होंने जोर देते हुए, कहा कि अगर सरकार को अपने काम पर इतना भरोसा था, तो उसे इतनी बेरहमी से ताकत का इस्तेमाल करने की जरूरत क्यों पड़ी? यह सिर्फ घबराहट और निराशा दर्शाता है, क्योंकि सरकार को एहसास हो गया है कि उसका समर्थन कम हो रहा है। इससे पहले, पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान, वड़िंग ने पटियाला पुलिस के बड़े स्तर चल रहे ऑडियो क्लिप पर टिप्पणी की, जिसमें कुछ अधिकारी कथित तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि विपक्षी उम्मीदवारों को नामांकन पत्र भरने से कैसे रोका जाए। जिसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह ए. आई से बना है या असली है, लेकिन पुलिस और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल पंजाब में आप सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा कि ऑडियो क्लिप में जिस बात की चर्चा हो रही थी, वह पूरे पंजाब में पहले से चल रहा है और आम लोग इसे देख व समझ रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि एक कांग्रेसी नेता, जिनकी पत्नी नामांकन पत्र भरने वाली थीं, को इलाके के एसएचओ द्वारा उठाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया। इस दौरान, उन्हें पूरी रात गैर–कानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया। उन्होंने कहा कि एक भी पुलिस अधिकारी, फिर चाहे वह एसएसपी हो, एसपी हो, डीएसपी हो या एसएचओ हो, बख्शा नहीं जाएगा और सभी को जवाबदेह बनाया जाएगा। वड़िंग ने कहा कि यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि पंजाब में कानून एवं व्यवस्था बिगड़ रही है और गैंगस्टर राज कर रहे हैं, क्योंकि पुलिस सत्ता का गलत इस्तेमाल करके विरोधी पार्टियों के नेताओं को डराने और आप को जिताने में मदद करने जैसे अन्य कामों में व्यस्त है। उन्होंने विपक्ष के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर जुल्म करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यह समय भी बीत जाएगा और सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

पंजाब में दिनदहाड़े एनकाउंटर : लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 4 शूटर गिरफ्तार, पुलिस की जवाबी फायरिंग में 2 बदमाश घायल

मोहाली २४/०४ (संवाददाता): पंजाब के मोहाली जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। डेराबस्सी–अंबाला हाईवे पर हुई इस गोलीबारी में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के चार खतरनाक शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गैंग के कुछ गुर्गे इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। इस इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया, लेकिन खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, यह घटना हाईवे पर स्थित स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास हुई। पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने भागने की कोशिश में गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई इस क्रॉस फायरिंग में दो बदमाशों को गोली लगी है, जिससे वे घायल हो गए। घायल आरोपियों को तुरंत इलाज के लिए डेराबस्सी के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस ने मौके से गैंग के कुल चार सदस्यों को दबोचा है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं। गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और गोला–बारूद भी बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन शूटरों के पकड़े जाने से एक बड़ी आपराधिक घटना टल गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनका निशाना कौन था और गैंग के अन्य साथी कहां छिपे हैं। पुलिस जल्द ही इस पूरे ऑपरेशन को लेकर विस्तृत जानकारी साझा करेगी।

चेहरे पर हंसी व मुस्कान लाना अच्छा और भलाई का कार्य

चंडीगढ २४/०४ (संवाददाता): हंसना–हंसाना अर्थात हंसी –मजाक एक बहुत ही अच्छा कार्य है। इससे स्वयं और दूसरों को भी खुश रखा जा सकता है। अस्वस्थ व्यक्तियों के लिए हंसी –मजाक को सबसे अच्छी दवा माना जाता है। अनेक शोधों के अनुसार हंसी –मजाक हमारे जीवन में कई तरह से हमारी मदद करती है। हंसी फेफड़ों और मांसपेशियों को लाभ पहुंचाती है। जिस तरह शरीर को चुस्त–दुरुस्त,स्वस्थ रखने के लिए अच्छा खान–पान व शारीरिक व्यायाम संबंधी गतिविधियां आवश्यक हैं, उसी तरह मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए हंसना और प्रसन्न रहना भी जरूरी है। हंसने से कई सारी बीमारियों का खतरा दूर होता है। खुलकर हंसने से शरीर में रक्त का संचालन बेहतर होता है, दिल स्वस्थ बना रहता है, शरीर में मेलाटोनिन नामक हार्मोन एक्टिव होता है, जिससे नींद अच्छी आती है। इससे त्वचा भी खूबसूरत और जवां बनी रहती है। किसी उदास, रोते हुए चेहरे पर मुस्कुराहट लाना बहुत अच्छा और भलाई का काम माना जाता है। हंसी– मजाक करने से मस्तिष्क अर्थात मूड अच्छा और आस–पास का माहौल खुशनुमा होता है। इसलिए दुनिया भर में 1 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मजाक दिवस मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से चुटकुले सुनने और सुनाने के शौकीनों के लिए होता हैं, और इस दिन लोग चुटकुले सुनते व सुनाते हैं। इस दिन लोग अपने परिवार, दोस्तों व अन्य लोगों के साथ मजाक करते हैं। मजाक का अर्थ है –हंसी, ठट्ठा, दिल्लगी, ठिठोली। यह एक प्रवृत्ति होती है, जिसमें सबों की रुचि नहीं होती। मजाक के समानार्थक शब्द हैं– अभिहास, केलि, कौतुक, खिलवाड़, खेलवाड़, चुटकुला, चुहल, ठट्ठा, ठिठोली, तफरीह, दिल्लगी, निधुवन, परिहास, प्रहसन, मजाक, विनोद, विनोदोक्ति, हंसी, हंसी –मजाक, हास–परिहास, हास्य, हास्य–परिहास। हंसी–मजाक का यह चलन आदिकाल से ही मानव मन में रचा–बसा हुआ है। प्राचीन भारतीय सभ्यता– संस्कृति व जीवन दर्शन में भी हंसी–मजाक का मूल स्रोत विद्यमान है। भारतीय परंपरा में ब्रह्म अर्थात परमात्मा की अवधारणा को सत् चित् के साथ ही आनंद का स्वरूप माना गया है। ब्रह्म आनंद के रूप में सभी प्राणियों में निवास करता है। ब्रह्म आनंद की अनुभूति जीवन का परम लक्ष्य माना जाता है। इसे ही ब्रह्मानंद प्राप्ति का नाम दिया गया है। वह रस, माधुर्य, लास्य का स्वरूप है। इसीलिए ब्रह्म के माया के संपर्क से मूर्तरूप लेने पर उसकी लीलाओं में आनंद को ही प्रमुखता दी गई है। श्रीकृष्ण रास रचाते हैं, छल करते हैं, लीलाएं दिखते हैं। वृंदावन की कुंज गलियों में आनंद की रसधार बहा देते हैं। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम भी होलिकोत्सव में रंग, गुलाल उड़ाते हैं और सावन में झूला झूलते हैं। उनकी मर्यादा में भी भक्त आनंद का अनुभव करते हैं। वस्तुतः भारतीय संस्कृति में मृत्यु, भय और दुरूख का कोई खास स्थान नहीं है। इन्हें अधिक महत्ता प्रदान नहीं की गई है। मृत्यु एक परिवर्तन का प्रतीक है। शरीर के साथ आत्मा नहीं मरती है, बल्कि वह एक चोला बदल कर दूसरा पहन लेती है। यही कारण है कि देश के कई भागों में शरीर का समय पूरा होने पर खुशी मनाए जाने का भी प्रचलन है। नाच–गाने के साथ, बड़े उमंग और उत्साह से पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार करने का यह भी एक कारण है कि जीवात्मा अब अपने स्वामी ब्रह्म से मिलने जा रही है। मिलन की इस पावन बेला मे दुरूख, दर्द और शोक की जरूरत नहीं है। शिव, नटराज, भोले भण्डारी आदि सहस्त्रों नामों से संज्ञायित शंकर समाधि के साथ ही आनंद के भी प्रतीक माने गए हैं। वे नृत्य, गायन, व्याकरण, भाषा और इनसे संबंधित समस्त गतिविधियों के केन्द्र हैं, जिनसे प्राणी के मन में आनंद का सागर हिलोरें लेने लगता है। भारत में प्राचीनकाल से ही विष्णु व अन्य अवतारों की अवतरण दिवस व उनसे संबंधित तिथियां बड़े उत्साह और पूरी श्रद्धा के साथ मनाई जाती हैं। इन अवतारों की निधन तिथियों को कोई भूल कर भी स्मरण नहीं करना चाहता है। मान्यता है कि अवतार अपने प्रकट होने का उद्देश्य पूर्ण कर अपने मूल तत्व अर्थात ब्रह्म में लीन हो जाते हैं। भारतीय संस्कृति में ईश्वर से डरने की परंपरा नहीं हैं। मान्यता है कि ईश्वर कोई ऐसी शक्ति नहीं है, जिससे डरना जरूरी हो। वह प्राणियों में भय का संचार नहीं करता। वह हमारा आदि स्रोत है। हम उसके अंग हैं। वह जड़ चेतन में व्याप्त है। हम उसके साथ कोई भी संबंधा कायम करने अर्थात रिश्ता बनाने के लिए स्वतंत्र हैं। भक्त अपने उपास्य से अनेक रूपों में प्रेम कर सकता है। उसका दास, सखा, सेवक यहां तक कि शत्रु और स्वामी भी बन सकता है। भारत की इसी वैचारिक स्वतंत्रता ने समाज को हंसी –मजाक का उपहार दिया है। ब्रह्म अर्थात परमात्मा के अतिरिक्त सभी जीव गुण और दोष के पुतले हैं। गुण और दोष का मिश्रण ही मनुष्य की विशेष पहचान है। मनुष्य आनंद की अनुभूति के लिए पैदा होता है। रोने–धोने, बिसूरने और निषेधात्मक भयादोहन करने वाली चिंताओं में बैचेन रह कर जिंदगी गुजारना मनुष्य जीवन का उद्देश्य कतई नहीं है। समाज में विषमताएं हैं, गरीबी है, आर्थिक द्वंद हैं, दुरूह समस्याएं हैं। इसके बावजूद प्रत्येक परिस्थिति में हंसते रहना और चुनौतियों का डट कर मुकबला करना भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है। इसलिए भारतीय परंपरा में आये दिन त्यौहार मनाए जाने की परिपाटी है। इसके माध्यम से सारे गमों को भुलाकर आनंद की नदी में डुबकी लगाने का प्रयास किया जाता है। यह बंधनों से मुक्त समाज का प्रतीक है। भक्त आराध्य देवताओं के साथ भी हंसी मजाक करने से बाज नहीं आते हैं। वर्तमान में दुखी अथवा परेशान लोगों का मूड बदलने के लिए भी हंसी–मजाक किया जाता है। हंसी–मजाक से आस– पास का माहौल तो खुशनुमा हो जाता है, लेकिन यह भी सच है कि कई बार हंसी –मजाक किसी को चिढ़ाने का भी कार्य करती है और इससे माहौल बिगड़ सकता है। ऐसे में सोच –समझकर मजाक करना चाहिए। हंसी–मजाक हमेशा एक सीमा में रहकर ही करना चाहिए, हदें पार नहीं करना चाहिए। बात–बात पर हंसी–मजाक करने से भी दूर रहना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने वालों को गंभीर व्यक्ति नहीं माना जाता है। कभी भी किसी की लाचारी का मजाक नहीं बनाना चाहिए। फिर भी घर में किसी तरह के समारोह के आयोजन, मेहमानों के आगमन तथा भोजन के आपस में समय हंसी–मजाक कर, हंसने–गुदगुदाने वाली बातें कर आपसी तनाव व झिझक को दूर किया जा सकता है। मजाक– मस्ती और खींचातानी से शादी–ब्याह के अवसर को स्मरणीय बनाया जा सकता है। वनभोज अथवा कहीं बाहर घूमने जाने के अवसर पर हंसी–मजाक करने से वहाँ का माहौल और ज्यादा खुशनुमा हो जाता है। इसलिए स्वयं के साथ ही दूसरों को भी इसमें शामिल कर चुटकुले, पुराने किस्से–कहानियों, मजाकिया कार्यों से हर किसी को मशगूल रखा जा सकता है। कुछ शोधों के अनुसार प्रेम अर्थात इश्क और हंसी– मजाक का अन्योन्याश्रय संबंध अर्थात चोली–दामन का साथ है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

आरएसपी में ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का आयोजन

राउरकेला ०३/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा गोपबंधु सभागार में ज्ञान मंच प्रश्नोज़्री प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम द्विमासिक ज्ञान-साझाकरण पहल आरएसपी ज्ञान मंच के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ज्ञानार्जन की संस्कृति को बढ़ावा देना, तकनीकी, प्रबंधकीय एवं वैश्विक क्षेत्रों में जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा संयंत्र के कर्मचारियों के बीच टीमवर्क, प्रतिस्पर्धी भावना, अंतर-विभागीय समन्वय और क्रॉस-फंक्शनल ज्ञान साझा करने को मजबूत करना है। इस ऑनलाइन क्विज में कुल 51 टीमों ने भाग लिया, जिनमें प्रत्येक टीम में दो सदस्य शामिल थे। बोकारो इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधक, श्री शुभन वर्मा ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई और प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रतियोगिता में कुल 50 प्रश्नों के साथ दो राउंड आयोजित किए गए। रोचक एवं बौद्धिक रूप से प्रेरक प्रतिस्पर्धा के पश्चात, सहायक महाप्रबंधक (कोक ओवन), श्री संपद मिश्रा एवं सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-1), श्री एस श्रीनाथ की टीम को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया । ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता का यह तृतीय संस्करण बिज़नेस क्विज पर आधारित थी। इस कार्यक्रम का समन्वय उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एलएंडडी), श्री के के जायसवाल द्वारा किया गया।सज़्मान एवं पुरस्कार व्यवस्था के अंतर्गत, विजेता टीम को 3000/- रुपये (प्रति सदस्य 1500/- रुपये) की पुरस्कार राशि के साथ-साथ 250/- रुपये मूल्य की पुस्तकें प्रदान की जाएंगी । पुरस्कार राशि विजेताओं के वेतन खातों में सीधे जमा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरएसपी ज्ञान मंच ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आरएसपी एवं सेल की अन्य इकाइयों से सूचीबद्ध क्विज मास्टर्स के सहयोग से आयोजित एक संरचित द्विमासिक क्विज कार्यक्रम है। यह एस-1 से ई-7 स्तर तक के सभी नियमित कर्मचारियों के लिए खुला है, जिसमें दो सदस्यों की टीमों को स्थल पर ही पंजीकरण की सुविधा दी जाती है। टीमों को बाद के संस्करणों में अपने साथी बदलने की स्वतंत्रता है, हालांकि विजेता जोड़ियों को एक विज़ीय वर्ष में केवल दो बार ही दोहराने की अनुमति है। प्रश्नोज़री में फाइनलिस्टों के चयन के लिए एक ऑनलाइन प्रारंभिक दौर होता है, जिसके बाद पॉवरपॉइंट आधारित, ऑडियो-विजुअल और इंटरैक्टिव अंतिम दौर होता है

दीपिका इस्पात शिक्षा सदन के कक्षा-10 बोर्ड परीक्षार्थियों को परीक्षा टिप्स एवं किट प्रदान

राउरकेला २४/०४ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र द्वारा राउरकेला के वंचित बच्चों के लिए स्थापित दीपिका इस्पात शिक्षा सदन (डीआईआईएस) में आयोजित एक समारोह में, कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को परीक्षा संबंधी टिप्स एवं किट प्रदान किए गए।

उल्लेखनीय है कि, इस विद्यालय का प्रबंधन, इस्पात नगरी के एक प्रमुख परोपकारी संगठन, दीपिका महिला संघति द्वारा किया जा रहा है। अध्यक्ष (दीपिका महिला संघति), श्रीमती नम्रता वर्मा, समारोह की मुज़्य अतिथि थीं।

इस अवसर पर डीएमएस की उपाध्यक्षाएँ, श्रीमती स्मिता गिरी,, श्रीमती प्रभाती मिश्र, डॉ. (श्रीमती) प्रतिज्ञाँ पलाई, श्रीमती रीता रानी, श्रीमती नबनीता पाल चौधरी , सचिव (डीएमएस), सुश्री सारिका कुमार, डीएमएस के शासी निकाय के सदस्य एवं स्वेच्छाकर्मी, प्रधानाध्यापिका (डीआईआईएस), श्रीमती सुचित्रा लेंका तथा विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे।

मुज़्य अतिथि एवं अन्य गणमान्यों ने विद्यार्थियों को परीक्षा बोर्ड, लेखन सामग्री एवं अल्पाहार पैकेट सहित परीक्षा किट प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा की अंतिम तैयारी एवं पुनरावृज़ि के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा प्रश्नपत्रों को हल करने के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। सभी ने विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विद्यालय का नाम रोशन करने का आग्रह किया।

विद्यालय के कुल 88 विद्यार्थी वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा में सज़्मिलित होंगे। विद्यालय की शिक्षिकाएँ, सुश्री ज्योति गौड़ा, सुश्री मीनाक्षी एवं कक्षा-10 की छात्रा सुश्री अतिफा ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का सञ्चालन किया। उल्लेखनीय है कि, विद्यालय की प्रथम बैच ने वर्ष 2016 में बोर्ड परीक्षा दी थी और तब से विद्यालय शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज करता आ रहा है।

लड़की को किडनैप के बाद जंगल में फेंक दिया गया, परिवार ने रेप का आरोप लगाया

कंधमाल २४/०४ (संवाददाता): कथित यौन उत्पीड़न की एक और चौंकाने वाली घटना में, ओडिशा के कंधमाल जिले के बेलघर में दो युवकों ने कथित तौर पर एक 14 साल की लड़की को किडनैप किया, बांध दिया और जंगल में छोड़ दिया। इस अपहरण का पता तब चला जब नाबालिग लड़की आज सुबह घर लौटने में कामयाब रही और उसने अपने परिवार को आपबीती बताई। पीड़िता की शिकायत के बाद एक युवक को हिरासत में लिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रविवार सुबह लड़की नहाने के लिए स्थानीय नदी किनारे गई थी, तभी दो युवकों ने उसे रोक लिया। इसके बाद उन्होंने किशोरी को अगवा कर लिया और उसे पास के एक घने जंगल में ले गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर उसके साथ बदतमीजी की। लड़की ने दावा किया कि बदमाशों ने उसके कपड़े फाड़ दिए, उसके साथ रेप किया और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद हमलावरों ने उसका मुंह बंद कर दिया, उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे जंगल में फेंककर भाग गए। ठंडे जंगल में अकेली एक भयानक रात बिताने के बाद, लड़की किसी तरह खुद को छुड़ाने में कामयाब रही और आज घर वापस आ गई। उसने अपने परिवार को अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत अधिकारियों से संपर्क किया।

अवैध कफ सिरप की 120 बोतलें जज़्त, तीन गिरफ्तार

खुर्दा २४/०४ (संवाददाता): खुर्दा एज़्साइज डिपार्टमेंट की मोबाइल यूनिट ने सोमवार को खुर्दा मॉडल पुलिस स्टेशन के तहत पल्ला गांव में 120 बोतलों में पैक 20.4 kg गैर-कानूनी कफ सिरप जज़्त किया। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को गिरज़्तार किया गया है। गिरज़्तार लोगों की पहचान मोनालिसा साहू (29), त्रिनाथ साहू (40), और बिजय साहू के तौर पर हुई है — ये सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं और गांव के रहने वाले हैं। हालांकि, एक और आरोपी रंजीत कुमार साहू अभी भी फरार है।

एज़्साइज टीम के मुताबिक, अधिकारियों को जिले में गैर-कानूनी कफ सिरप की तस्करी की सूचना मिली थी। इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, मोबाइल यूनिट ने गांव में छापा मारा और कोडीन फॉस्फेट और ट्राइप्रोलिडाइन हाइड्रो ज़्लोराइड-बेस्ड कफ सिरप की 120 बोतलें जज़्त कीं, जिसका ब्रांड ESkuf था।

छापे के दौरान, पुलिस ने तीन लोगों को गिरज़्तार किया और उनके पास से 1,000 रुपये कैश के साथ एक मोटरसाइकिल जज़्त की। खुर्दा एज़्साइज स्क्क सुमति त्रिपाठी ने कहा, यह रेड एज़्साइज डिपार्टमेंट की स्पेशल ड्राइव का हिस्सा थी। आरोपी एक ही परिवार के हैं, और हमने फरार व्यक्ति को पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों को कोर्ट भेज दिया गया है। गैर-कानूनी कफ सिरप के धंधे में और लोग शामिल हैं, यह पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

पुरी में अस्तारंगा तट से 10 फुट के मगरमच्छ को सुरक्षित बचाया गया

पुरी २४/०४ (संवाददाता): पुरी ज़िले में अस्तारंगा तट पर दिखे एक बहुत बड़े मगरमच्छ को वन विभाग ने सफलतापूर्वक बचा लिया, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को राहत मिली। तटरेखा पर इस विशाल सरीसृप को देखने के बाद आस-पास के तटीय गांवों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ इलाके में आने वाले पर्यटकों में भी डर का माहौल बन गया था।

घटना के बाद, अस्तारंगा वन रेंज के अधिकारियों ने तुरंत पर्यटकों को चेतावनी जारी की और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तट पर गश्त बढ़ा दी। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए, मगरमच्छ का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए एक विशेष बचाव अभियान शुरू किया गया।लगातार दो दिनों तक, राजनगर रैपिड रिस्पांस टीम और अस्तारंगा वन रेंज के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने समुद्री रास्तों से मगरमच्छ की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखी।

टीम लगातार अलर्ट पर रही और सरीसृप पर नज़र रखती रही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसे लोगों या जानवर को नुकसान पहुंचाए बिना बचाया जा सके। बचाव अभियान कल पीर जहानिया समुद्र तट के पास सफलतापूर्वक चलाया गया। जाल का इस्तेमाल करके, वन विभाग की टीम ने लगातार प्रयासों के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। बचाव के बाद, मगरमच्छ को भितरकनिका ले जाया गया, जहाँ वह एक उपयुक्त प्राकृतिक आवास में रहेगा। वन अधिकारियों ने पुष्टि की कि मगरमच्छ की लंबाई 10 फीट 6 इंच है और यह खारे पानी की मगरमच्छ प्रजाति का है। वन विभाग की समय पर कार्रवाई से तटीय निवासियों में सुरक्षा की भावना बहाल हुई, साथ ही मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से दूसरी जगह पहुँचाना भी सुनिश्चित हुआ।

ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के चौकीदार की मौत

जगतसिंहपुर २४/०४ (संवाददाता):जगतसिंहपुर जिले में कटक-पारादीप हाईवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक स्कूल के चौकीदार की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। मरने वाले की पहचान उज़्म परिदा के तौर पर हुई है, जो जगतसिंहपुर के पंकपाल में कमला देवी महिला हायर सेकेंडरी स्कूल में रात में चौकीदार का काम करता था। रिपोर्ट के मुताबिक, परिदा अपनी रात की ड्यूटी पूरी करके साइकिल से अपने घर वापस जा रहे थे, तभी सत्य साईं ज्ञान विकास चौक के पास एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि यह हादसा सुबह-सुबह घने कोहरे की वजह से कम विज़िबिलिटी की वजह से हुआ। टक्कर लगने के बाद, परिदा अपनी साइकिल से गिर गए और बाद में ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय लोगों में गुस्सा फैल गया, जिन्होंने हादसे के बाद विरोध प्रदर्शन किया। तनाव बढ़ने पर, पुलिस ने स्थिति को कंट्रोल करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटक-पारादीप रोड को जाम कर दिया।

आरएसपी में पूर्व सेवानिवृज़ि कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला रोशनी की गई आयोजित

राउरकेला २४/०४ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के सीपीटीआई में सेवानिवृज़ि-पूर्व कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला रोशनी का आयोजन किया गया। मुज़्य महाप्रबंधक (यांत्रिक), श्री डी के पालो उद्घाटन सत्र के मुज़्य अतिथि थे। महाप्रबंधक प्रभारी (एसपीपी), डॉ. बी के पाढ़ी सज़्मानित अतिथि थे। एक कार्यपालक सहित संयंत्र के 32 कर्मचारी, जो फ़रवरी 2026 के महीने में सेवानिवृज़ होंगे, सत्र में भाग लिया। रोशनी के सत्रों में एक सहज सेवानिवृज़ि के बाद की ज़िंदगी को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों का एक व्यापक स्पेज़्ट्रम शामिल था। अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा), डॉ. शिवलकर, ने निज़्नलिखित सत्र में स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और स्वस्थ सेवानिवृज़ि के बाद के जीवन के लिए रणनीतियों को संबोधित किया। साइबर सुरक्षा मुद्दों से संबंधित मामलों पर उप महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), श्री वी पी आर्य, द्वारा चर्चा की गई, जहां डिजिटल युग में इंटरनेट के फायदे बताए गए और प्रतिभागियों को उनकी डिजिटल उपस्थिति की रक्षा करने में मदद करने के लिए साइबर ख़तरों और सुरक्षा की दुनिया में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। विज़ पर सत्र में उप प्रबंधक (विज़ और लेखा), श्री डी के दाश ने बाद के चरण में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सुचारू अंतिम निपटान और प्रभावी विज़ प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं पर विचार किया। सहायक महाप्रबंधक (विज़ और लेखा), श्री पप्पू कुमार ने विज़ीय सुरक्षा योजना के बारे में बात की।

बदलाव के इस अहम दौर से निपटने और एक उद्देश्यपूर्ण और सक्रिय जीवन जीने के लिए महाप्रबंधक प्रभारी (एसपीपी), डॉ. पी के पाढ़ी ने सकारात्मक मानसिकता की तैयारी पर विचार-विमर्श किया। संगठन के भीतर तिमाही अवकाश और प्रतिधारण नीतियों के विवरण पर उप प्रबंधक (टाउन सर्विसेज), श्री भरत महंता द्वारा चर्चा की गई। सेल मेडिज़्लेम योजना को सहायक महाप्रबंधक (एचआर-ईए, जी, ईआर और सी), श्री अविनाश द्वारा संबोधित किया गया था. शुरुआत में सहायक प्रबंधक (एचआर-ईआर एंड सी), श्री एस पी माँझी ने सभा का स्वागत किया, जबकि श्री अविनाश ने उप प्रबंधक (एचआर -ईआर एंड सी), श्री एस के नायक, श्रम निरीक्षक, श्री के के परिडा और एचआर-ईआर टीम के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। रोशनी कार्यशाला का उद्देश्य सेवानिवृज़ कर्मचारियों को सकारात्मकता, उत्साह और तैयारी के साथ सेवानिवृज़ि को गले लगाने के लिए व्यापक तरीके से तैयार करना है।

रिटायर्ड एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर की 2.50 करोड़ रुपये की संपज़ि जज़्त

भुवनेश्वर २४/०४ (संवाददाता): यहां की एक ज़्ती कोर्ट ने मंगलवार को एक रिटायर्ड एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर की 2.50 करोड़ रुपये की आय से ज़्यादा संपज़ि ज़्त करने का आदेश दिया। यह आदेश विजिलेंस केस में दोषी पाए जाने के बाद दिया गया। ज़्ती कोर्ट (ऑथराइज़्ड ऑफिसर, स्पेशल कोर्ट, विजिलेंस, भुवनेश्वर) ने नबरंगपुर ज़िले के उमरकोट में R.W. डिवीज़न के पूर्व एग्जीज़्यूटिव इंजीनियर (रिटायर्ड) सिमाद्री नायक की 2,50,44,029 रुपये की संपज़ि ज़्त करने का आदेश दिया। इन संपज़ियों में चल और अचल दोनों तरह की संपज़ियां शामिल हैं। अचल संपज़ियों में रायगढ़ में एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग, नबरंगपुर में दो बिल्डिंग और ज़मीन के तीन प्लॉट शामिल हैं — एक रायगढ़ शहर में और दो नबरंगपुर शहर में। चल संपज़ियों में बैंक डिपॉज़िट और सोने के गहने शामिल हैं।

ओडिशा विजिलेंस की तरफ से जारी एक ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, नायक और उनकी पत्नी पर प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एज़्ट, 1988 के सेज़्शन 13(2) के साथ 13(1)(द्द) और ड्डक्क्ष्ट के सेज़्शन 109 के तहत चार्जशीट दायर की गई थी। उन पर कथित तौर पर उनकी इनकम के जाने-पहचाने सोर्स से ज़्यादा प्रॉपर्टी रखने का आरोप था। ट्रायल के बाद, स्पेशल कोर्ट, भुवनेश्वर के स्पेशल जज ने 11 दिसंबर, 2023 को नायक और उनकी पत्नी को इनकम से ज़्यादा प्रॉपर्टी रखने का दोषी ठहराया। इसके बाद की कार्रवाई में तय कोर्ट ने ज़्त करने का ऑर्डर पास किया। ओडिशा विजिलेंस की तरफ से जारी एक ऑफिशियल प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, नायक और उनकी पत्नी पर प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एज़्ट, 1988 के सेज़्शन 13(2) के साथ 13(1)(द्द) और ड्डक्क्ष्ट के सेज़्शन 109 के तहत चार्जशीट दायर की गई थी।